वर्ष: 11 - अंक : 24, मुंबई, बुधवार, 3 मार्च, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

मूल्य 1 रु.

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

॥ शुभ लाभ ॥

MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले

MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का

केंद्र पर प्रहार

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने केंद्र सरकार पर करारा प्रहार किया। दरअसल, उन्होंने कहा कि साल 2016 में भाजपा नीत सरकार द्वारा बगैर सोच-विचार के लिए गए नोटबंदी के फैसले के चलते देश में बेरोजगारी चरम पर है और अनौपचारिक क्षेत्र खस्ताहाल है। उन्होंने राज्यों से नियमित रूप से परामर्श नहीं करने को लेकर भी केंद्र की (प्रधानमंत्री) नरेंद्र मोदी सरकार की आलोचना की। उन्होंने मंगलवार को आर्थिक विषयों के 'थिंक टैंक' राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज द्वारा डिजिटल माध्यम से आयोजित एक विकास सम्मेलन का उद्घाटन किया। (शेष पृष्ठ 3 पर)

...कहा- नोटबंदी के फैसले से देश में चरम पर है बेरोजगारी

किसान आंदोलन पर घिरे अजय देवगन

पंजाब के युवक ने एक्टर की कार रोकी

15 मिनट तक फिल्म सिटी में जाने नहीं दिया

पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता

मुंबई। मुंबई फिल्म सिटी के गेट पर मंगलवार को राजदीप रमेश सिंह नाम के सख्श ने अभिनेता अजय देवगन की कार रोक दी। अजय सुबह 10:30 बजे के आसपास 'गंगूबाई काठियावाड़ी' फिल्म की शूटिंग के लिए जा रहे थे। राजदीप अपने आप को किसान आंदोलन का समर्थक बता रहा था। उसने अजय देवगन से सवाल किया कि वह किसान आंदोलन के समर्थन में क्यों नहीं कुछ बोल रहे हैं। आरोपी ने तकरीबन 15 मिनट तक एक्टर की कार रोके रखी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

किसान आंदोलन पर ट्वीट कर घिरे थे अजय

अजय देवगन ने पिछले दिनों किसान आंदोलन को लेकर अपना पक्ष रखते हुए सोशल मीडिया पर लिखा था कि भारत या भारतीय नीतियों के खिलाफ किसी भी झूठे प्रोपेगैंडा के चक्कर में न फंसें। इस समय हमें एकजुट होने की जरूरत है। इसके बाद अजय कई किसान आंदोलन के समर्थकों के निशाने पर आ गए थे।

मुंबईः दादर, ठाणे समेत स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकट हुए महंगे

अब देने होंगे 50 रुपये

मुंबई। मध्य रेलवे ने कोविड-19 महामारी को देखते हुए गर्मी के मौसम में प्लेटफॉर्म पर अधिक भीड़ से बचने के लिए मुंबई मेट्रोपोलिटन क्षेत्र (एमएमआर) के कुछ महत्वपूर्ण स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकट की कीमत बढ़ा दी गई है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मध्य रेलवे (सीआर) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिवाजी सुतार ने बताया कि मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, दादर और लोकमान्य तिलक टर्मिनस तथा पास के ठाणे, कल्याण, पनवेल और भिवंडी में अब प्लेटफॉर्म टिकट 10 रुपये के बजाय 50 रुपये में मिलेगा। (शेष पृष्ठ 3 पर)

हमारी बात

ऊर्जा तंत्र में सेंध

अमेरिका से आई एक रिपोर्ट ने चीन के प्रति भारत को आगाह किया है, तो कोई आश्चर्य नहीं। साइबरस्पेस कंपनी, रिकॉर्डेड फ्यूचर ने भारत सरकार को चीन से जुड़े खतरे की सूचना दी है। रिपोर्ट में यह आशंका जताई गई है कि चीन का एक साइबर समूह रेड इको मुंबई में बिजली फेल होने के लिए जिम्मेदार हो सकता है। यह आरोप लगाते हुए रिकॉर्डेड फ्यूचर ने ठोस प्रमाण तो नहीं पेश किए हैं, पर परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के जरिए यह समझाने की कोशिश की है कि चीन खतरा बन सकता है। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि पावर ग्रिड नेटवर्क का संचालन साइबर आधारित होता जा रहा है। जिस इंटरनेट प्रोग्राम के जरिए पावर ग्रिड को संभाला जाता है, अगर उसमें कोई देश घुसपैठ कर ले, तो वाकई किसी भी देश में बिजली की व्यवस्था को बाधित कर सकता है। अमेरिकी रिपोर्ट ने बताया है कि 12 अक्तूबर, 2020 को मुंबई में बिजली व्यवस्था ठप हो गई थी, यह कारस्तानी चीन के हैकरों की हो सकती है। इस रिपोर्ट के बाद भारत सरकार को पूरी गंभीरता से इस कथित घुसपैठ की जांच करनी चाहिए। संभव है, यह जांच पहले से ही जारी हो और भारतीय साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने इस तकनीकी आपदा का इलाज खोज लिया हो। वाकई यह चिंता की बात है, अगर चीन भारतीय बिजली व्यवस्था में घुसपैठ में सक्षम हो चुका है। क्या भारत में ऐसा करने में सक्षम है? विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसी ही घुसपैठ रूस ने अमेरिकी पावर ग्रिड में की थी, लेकिन तब अमेरिकी विशेषज्ञों ने भी रूसी पावर ग्रिड में सेंध मारकर रूसियों को सचेत कर दिया था। भारत को आगाह करते हुए रिपोर्ट ने यह स्पष्ट संकेत कर दिया है कि साइबर सेंध से बचने में वही देश कामयाब होगा, जो साइबर सेंध मारने की क्षमता रखेगा। भारत को ऐसे साइबर युद्ध से बचने में पूरी तरह सक्षम होना चाहिए और इसके साथ ही उसको निशाना बनाने वाले दुश्मनों को भी पता होना चाहिए कि सेंधमारी करके वह भी नहीं बचेंगे। दुश्मन आप से उसी हथियार से लड़ना चाहता है, जिसमें वह आपको कमजोर मानता है। हमें देखना होगा कि साइबर सुरक्षा के मामले में अगर चीन हमें कमजोर मान रहा है, तो हम अपनी कमजोरी कैसे दूर करेंगे। एक सवाल यह भी है कि क्या अमेरिका इन दिनों भारत के लिए अतिरिक्त रूप से सचेत है। अमेरिका के भी अनेक पहलू हैं, वहां अनेक तरह की संस्थाएं हैं, जो अपने-अपने ढंग से विश्लेषण करती रहती हैं। हमें अपने स्तर पर भला-बुरा सोचते हुए चलना है। चीन और अमेरिका के बीच बहुत भौगोलिक दूरी है, लेकिन चीन हमारा पड़ोसी है। हम न तो अत्यधिक उदार हो सकते हैं और न अत्यधिक आक्रामक। हमें सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक संतुलन बनाकर चलना होगा। अपनी बिजली व्यवस्था को ही नहीं, अपने पूरे तंत्र को चाक-चौबंद बनाना होगा। प्रौद्योगिकी के स्तर पर किसी भी तरह की सेंध की गुंजाइश नहीं रहनी चाहिए। बिजली, पानी की आपूर्ति ही नहीं, बल्कि किसी भी तरह की सार्वजनिक सेवा भी साइबर हमले में बाधित नहीं होनी चाहिए। दुनिया के तमाम विकसित देश अपनी-अपनी साइबर सुरक्षा मजबूत करने में लगे हैं, चीन तो खासतौर पर सक्रिय है। हमें मानकर चलना चाहिए कि साइबर मैदान में युद्ध अब निरंतर जारी रहेगा। लुटने से वही बचेगा, जिसके ताले अकाट्य होंगे।

उड़ती बुद्धि (कंपनियां) और दुनिया गुलाम!

दिमाग कहें या बुद्धि, इसी की उड़ान ने, इसी से जन्मे आइडिया, खोज ने इंसान को गुफा से चंद्रमा तक पहुंचाया है। सहस्त्राब्दियां आईं-गईं, साम्राज्य बने-बिगड़े लेकिन बुद्धि की फितरत में उत्तरोत्तर वह सब होता गया, जिससे पाने, चाहने, कुछ करने, अमर होने की भूख में सब कुछ बनता गया! फिर भले तलवार बनी हो या परमाणु हथियार या मौजूदा महाबली आईटी कंपनियां! जाहिर है हर युग, हर क्रांति, हर खोज बुद्धि की कुलबुलाहट, इनोवेशन, नवोन्मेषी धुन से जनित है। इंसान का शरीर भले जैविक रचना में एक सा हो लेकिन शरीर विशेष में बुद्धि और उसके उड़ने के रसायनों, परिवेश का जो फर्क होता है उससे यह होड़ भी स्थायी हैं कि उड़ने का, खोजने का, वर्चस्व बनाने का माद्दा किसमें अधिक है! अफ्रीका की गुफा से आदि मानव जब बाहर निकला तो वह भी बुद्धि और साहस से शुरू यात्रा थी जो सहस्त्राब्दियों के लंबे सफर के बाद आज भी जस की तस है। बावजूद इस सबके अनुभव के रसायनों, मनोविश्व की भिन्नता की हकीकत को बतलाता यह प्रमाण है जो पृथ्वी के साढ़े सात अरब लोगों पर आज अमेरिका की पांच आईटी कंपनियों का एकाधिकार है!

हां, हम 138 करोड़ भारतीयों को अनुमान या ख्याल नहीं है कि गूगल (अल्फाबेट), फेसबुक, एपल, अमेजॉन, माइक्रोसॉफ्ट ने हम पर कैसा आधिपत्य बना रखा है! हम कैसे इन कंपनियों पर आश्रित हैं, कैसे हमारा जीना इनके सर्वरों में रिकार्ड हो रहा है, कितने अरब-खरब की ये हमसे कमाई कर रही हैं? पर मसला भारत अकेले का नहीं है। पूरी दुनिया के साढ़े सात अरब लोगों के जीवन जीने पर चंद टेक याकि तकनीक कंपनियां आज जैसी सूत्रधार हैसियत में हैं उससे सभी ओर सवाल है कि बुद्धिबल वाली चंद नवोन्मेषी कंपनियों का कैसे मानवता पर एकाधिकार है। ऑस्ट्रेलिया से लेकर यूरोप, अमेरिका सभी तरफ, वैश्विक मीडिया में, सरकारों में, संसदों में अब बहस-चर्चा बन गई है कि इन वैश्विक टेक कंपनियों को कसो, इन्हें बदलो, इनका एकाधिकार खत्म करो! एक तरफ ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, यूरोप और अमेरिका में सोच और एप्रोच है कि इनकी प्रतिस्पर्धा में नई कंपनियों को मौका मिले। एक कंपनी का नहीं चार-पांच कंपनियां मैदान में होंगी तो लोगों को, ग्राहकों को विकल्प मिलेगा। साथ ही अभी ये कंपनियां एकाधिकार से अपनी ग्राहक संख्या, अपनी पहुंच, अपनी मनमानी से सुरसा की

तरह जैसे धंधा बढ़ा रही हैं उसे खत्म कराते हुए, उस पर अंकुश लगाते हुए दूसरों को रेवेन्यू शेयर करने का कानून बने। ऑस्ट्रेलिया ने गजब किया जो संसद ने कानून बना कर गूगल और फेसबुक दोनों को मजबूर किया कि वे सर्च और कंटेंट में अखबारों, मीडिया सामग्री का प्रदर्शन जब करती हैं तो उसकी प्रकाशक कंपनियों को कमाई शेयर करें, उन्हें पैसा दें। इस पर गूगल और फेसबुक दोनों ने ऑस्ट्रेलिया सरकार को आंखें दिखा कर अपनी सेवा बंद करने की धमकी दी थी। मगर ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने परवाह नहीं की। साफ कहा कि गूगल, फेसबुक को ऑस्ट्रेलिया छोड़ना है तो छोड़ कर जाएं। उसे कानून मानना होगा। नतीजतन गूगल, फेसबुक दोनों को घुटने टेक ऑस्ट्रेलिया की मीडिया कंपनियों से समझौता कर उन्हें पैसा देने का फैसला लेना पड़ा। यह विकसित देशों की एप्रोच है, जबकि भारत जैसे अविकसित देशों की सरकारों में एप्रोच है कि गूगल, फेसबुक ने यदि भारत के 138 करोड़ लोगों को गुलाम, आश्रित, निर्भर बनाया है तो मौके का फायदा उठाओ और इन कंपनियों का टेंटुआ दबा कर इन्हें सरकार का एजेंट बना कर जनता को वहीं परोसने के लिए मजबूर किया जाए जो सरकार चाहती है। तो सभ्य और असभ्य देशों का इन महाबली कंपनियों के प्रति फर्क क्या बना? ऑस्ट्रेलिया- अमेरिका नागरिकों पर से कंपनियों की दादागिरी, मनमानी कमाई, निर्भरता खत्म करने के लिए प्रतिस्पर्धा बनाने की रीति-नीति बना रहे हैं वहीं भारत, चीन, म्यांमार जैसे देशों के प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, तानाशाह चाह रहे हैं कि वे उनके नागरिकों को भले आश्रित, गुलाम बनाए रखें और देश में मोनोपोली बनाएं रखें लेकिन ऐसा नरेंद्र मोदी, शी जिनफिंग याकि सरकार का प्रोपेगेंडा परोसते हुए और विरोध के कंटेंट को काटते-छांटते हुए हो! सर्वाधिक खराब, गुलाम स्थिति भारत के नागरिकों की है। चीन ने अमेरिकी कंपनियों के आगे देशी कंपनियां प्रतिस्पर्धा में बनवा रखी हैं। चीन में अमेजॉन की दाल नहीं गली इसलिए उसने भारत पर फोकस बना बाजार पर कब्जा बनाया। उससे अंबानी छटपटाते हुए, अपनी मोनोपोली नहीं बनने से अब अमेजॉन से भिड़ने की कोशिश में हैं लेकिन तब भारत के नागरिकों के सामने विकल्प सांपनाथ बनाम नागनाथ को चुनने का होगा। 138 करोड़ लोगों पर देशी एकाधिकारी व्यापारी का कब्जा हो या विदेशी एकाधिकारी का क्या फर्क पड़ता है? उलटे अमेरिकी मानदंडों की बेहतर ग्राहक सेवा में लोगों का भला अमेजॉन से ज्यादा होगा। सोचे अमेजॉन न हो और रिलायंस का जियो स्टोर उसकी जगह जम गया तो वह कैसी सेवा होगी? बहरहाल मुद्दा यह है कि अमेरिका की चंद कंपनियों की एकछत्रता कैसे खत्म हो? उन्हें कैसे कंपीटिशन मिले? उनकी कमाई का कैसे वितरण हो? जवाब में ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, दक्षिण अमेरिकी देशों में बनते कानून सन् 2021 का चमत्कार हैं तो अमेरिका के भीतर इन कंपनियों के बीच लोकतंत्र की कुछ बुनियादी बातों मसलन निजता याकि प्राइवेसी को लेकर छिड़ी लड़ाई से बहुत कुछ बदलने की उम्मीद है। फेसबुक और एपल कंपनी में झगड़ा हो गया है। एपल कंपनी ने ऐलान किया है कि उसके फोन, कंप्यूटर में ग्राहकों की निजता, लोगों के आंकड़े, उनके व्यवहार, मूवमेंट पर नजर रखने का फेसबुक को मौका नहीं मिलेगा। मतलब एपल और फेसबुक में झगड़ा बना है। एपल कंपनी ने लोगों की प्राइवेसी की सुरक्षा का बीड़ा उठाया है। ध्यान रहे सोशल मीडिया, सर्च, विज्ञापन, ई-कॉमर्स, पेमेंट गेटवे, स्ट्रीमिंग आदि से ग्राहकों की संख्या कंपनियों की पूंजी बनवाती हुई होती है। जियो ने यदि सस्ते-मुफ्त सेवा से एक बार भारतीयों को गुलाम, आश्रित बना लिया तो फिर ग्राहक से ग्राहक बनने का वह सिलसिला बना रहेगा, जिससे अपने आप 138 करोड़ भारतीयों की संख्या को बेचने की वहीं एकाधिकारी मालिक होगी। वह न तो किसी दूसरी कंपनी को कंपीटिशन में पनपने देगी और न ग्राहकों के पास विकल्प होगा। सोचें, आज गूगल के अलावा भारतीयों के पास क्या है? इंटरनेट का अर्थ भारत में गूगल, फेसबुक, यूट्यूब सर्च करते हुए उन्हीं से पढ़ने, खरीदने, मनोरंजन का है और वह भारतीयों का जीवन और मजबूरी दोनों है। ऐसा चीन ने नहीं होने दिया। चीन में अलीबाबा, टेनसेंट सहित ऐसी छह-आठ महाबली आईटी कंपनियां हैं, जो अमेरिकी कंपनियों के दबदबे के बावजूद सौ बिलियन डॉलर से ज्यादा का धंधा सालाना कर रही है।

जहां चाह, वहां राह

म्यांमार में इस बार सैनिक शासकों के लिए पहले जैसी आसानी नहीं है। इस बार वहां की जनता ने साफ कर दिया है कि उन्हें लोकतंत्र का गला घोंटा जाना मंजूर नहीं है। इसके लिए वहां के लोग-खास कर नौजवान बड़े जोखिम उठा रहे हैं। साथ ही उन्होंने विरोध जताने के ऐसे तरीके ईजाद किए हैं, जिनकी आज दुनिया भर में चर्चा है। बीते एक फरवरी को नव निर्वाचित संसद की पहली बैठक से कुछ घंटे पहले ही सेना ने सत्ता हथिया ली थी। उसके अगले ही दिन से देश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। तब से लगातार सिविल नाफरमानी आंदोलन जारी है। इस दौरान लोगों ने अपनी ड्यूटी पर जाने से इनकार किया है, सैनिक जनरलों के स्वामित्व वाले कारोबारी घरानों का बहिष्कार किया गया है और लगातार सड़कों पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन हो रहे

हैं। विरोध का एक खास तरीका मोहल्लों में देखा गया है। वहां लोगों ने अपने घरों से बाहर आकर बरतन बजा कर विरोध जताते रहे हैं। म्यांमार में जन मान्यता के मुताबिक बरतन बजाने से भूत- प्रेत भाग जाते हैं। आज भी रोज रात लोग आठ से सवा आठ बजे तक अपने घरों से बाहर आकर बरतन बजाते हैं। आंदोलन में शिक्षकों, स्वास्थ्य कर्मियों और वन अधिकारियों जैसे सरकारी कर्मचारियों ने बड़े पैमाने पर भाग लिया है। प्रदर्शनकारियों ने ट्रैफिक रोकने के नए- नए तरीके अपनाए हैं। इसके लिए चौराहों पर किसी ने जानबूझ कर चावल और प्याज जैसी वस्तुएं गिरा दी जाती हैं। उसके बाद वहां भीड़ इकट्ठी होकर प्याज और चावल के एक- एक दाने को चुनती है। उनका मकसद होता है ट्रैफिक जाम करना था। पुलिस इस पर कोई कार्रवाई नहीं कर पाती। इसके अलावा सड़क पर कार ब्रेकडाउन कर खड़ी कर देने या धीमी गति से ड्राइविंग करने के उपाय भी अपनाए गए हैं। ट्रैफिक रोकने के लिए लोग अचानक सड़क पर बैठ कर अपने जूते के फीते बांधने लगते हैं। इसी तरह सड़कों पर संगीत कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, जिससे यातायात ठहर जाता है। लॉटरी बायकॉट की मुहिम खासी प्रभावी रही है। इसकी सीधी चोट सरकार खजाने पर पड़ रही है।

मेट्रो: किराये के अलावा दूसरे कमाई के साधनों की खोज, पांच साल के लिए बिकेंगे राइट्स

संवाददाता

मुंबई। मेट्रो सेवा आरंभ करने से पहले प्रशासन मेट्रो के माध्यम से कमाई के रास्ते तलाशने में जुट गया है। इसके लिए मेट्रो 7 और मेट्रो 2 ए कॉरिडोर के ब्रांडिंग राइट्स को पांच साल के लिए किसी अन्य संस्थान को देने की तैयार है। मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) इस वर्ष के मध्य तक मेट्रो के दो कॉरिडोर पर सेवा शुरू करने की योजना पर तेजी से काम कर रही है। मार्च के अंत या अप्रैल के आरंभ में मेट्रो 7 और मेट्रो 2 ए कॉरीडोर के मार्ग पर ट्रायल रन शुरू हो जाएगा। एमएमआरडीए के अनुसार, आगामी चार से पांच महीने में ट्रायल रन की प्रक्रिया को पूरा कर लिया जाएगा। यात्रियों के लिए सेवा आरंभ करने से पहले ही प्राधिकरण यात्री किराये के अतिरिक्त आमदनी के अन्य मार्ग तलाशने में जुट गया है। मौजूद समय में घाटकोपर से वर्सोवा के बीच चल रही मेट्रो 1 का

परिचालन हो रहा है। मेट्रो-1 हर साल यात्री किराये के अलावा स्टेशनों के नाम के साथ निजी संस्थान का काम जोड़ और विज्ञापन के माध्यम से करोडों रुपये की कमाई कर रहा है। ट्रेन के भीतर और स्टेशन परिसर पर अपने कंपनी के विज्ञापन के लिए कंपनियां हर साल करोडों रुपये खर्च करती है। स्टेशन परिसर में बने स्टॉल से भी मेट्रो-1 को मोटी कमाई हो रही है। जानकारी के मुताबिक, घाटकोपर से वर्सोवा के बीच मेट्रो-1 कुल 12 स्टेशन पर 70 से अधिक छोटे बड़े स्टॉल हैं। मेट्रो-1 के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, विज्ञापन के माध्यम से हर साल कंपनी को करीब 40 से 50 करोड़ रुपये की कमाई होती है। प्राधिकरण भी मेट्रो-1 की तरह हर साल मेट्रो के नॉन फेयर रिव्यू की खोज में जुट गया है। एमएमआरडीए के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, यात्री किराये के अलावा नॉन फेयर रिव्यू की खोज के लिए यह टेंडर जारी किया गया है।

1 अप्रैल तक होंगे आवेदन: वेस्टर्न हाइवे के करीब अंधेरी (पूर्व) से दहिसर (पूर्व) के बीच 16.473 किमी लंबे मेट्रो 7 कॉरिडोर और दहिसर से डीएन नगर के बीच 18.5 किमी लंबे मेट्रो 2 ए कॉरिडोर का निर्माण कार्य चल रहा है। दोनों कॉरिडोर के मार्ग पर करीब 30 मेट्रो स्टेशन होंगे। मेट्रो 7 और मेट्रो 2 ए कॉरिडोर के ब्रांडिंग राइट्स किसी संस्था को पांच साल के लिए देने हेतु बकायदा टेंडर जारी किया गया है। इच्छुक आवेदक 1 अप्रैल तक टेंडर प्रक्रिया में शामिल होने के लिए आवेदन कर सकता है।

बॉम्बे हाई कोर्ट से राज्य के प्राइवेट स्कूलों को झटका

फीस नहीं भरने पर विद्यार्थी को ऑनलाइन कक्षा से निकाला नहीं जा सकता

संवाददाता

मुंबई। सोमवार को बॉम्बे हाई कोर्ट से राज्य के प्राइवेट स्कूलों को तगड़ा झटका लगा है। हाई कोर्ट ने शैक्षणिक सत्र 2020-21 में प्राइवेट स्कूलों में फीस नहीं बढ़ाने को लेकर जारी जीआर पर रोक हटा ली है। साथ ही, किसी विद्यार्थी के फीस नहीं भरने पर उसे ऑनलाइन कक्षा से निकाला नहीं जा सकता है और परीक्षा में बैठने से रोका नहीं जा सकता है। राज्य सरकार के जीआर जारी के बाद उसे प्राइवेट स्कूलों के असोसिएशन ने हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। इसके बाद हाई कोर्ट ने जीआर पर रोक लगा दी थी। इस जीआर में कोरोना वायरस के चलते अभिभावकों को आई आर्थिक दिक्कतों

को देखते हुए शैक्षणिक सत्र 2020-21 में फीस नहीं बढ़ाने और शैक्षणिक सत्र 2019-20 की फीस में मासिक अथवा त्रैमासिक किश्तों की सहूलियत देने के लिए आदेश जारी हुआ था। इससे घोषित लॉकडाउन में घर बैठे अभिभावकों को बड़ी राहत मिली थी, लेकिन कुछ ही दिनों के बाद जीआर पर रोक लगने की वजह से स्कूलों की तरफ से फीस की मांग होने लगी थी। इसके बाद इस मामले में विभिन्न एनजीओ और अभिभावकों की तरफ से हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया था। सभी पक्षों को सुनने के बाद हाई कोर्ट ने सोमवार को अपना फैसला सुनाया। वकील अरविंद तिवारी के मुताबिक, हाई कोर्ट ने जीआर पर से स्टे हटा लिया है। अब राज्य सरकार का 8 मई 2020 का जीआर प्रभावी हो गया है। अगर फीस को लेकर अभिभावकों की तरफ से कोई शिकायत की जाती है, तो सरकार उस पर कार्रवाई कर सकती है।

लौटानी पड़ सकती है फीस: अभिभावकों की तरफ से पैरवी कर रहे वकील अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा कि अब फीस के चलते प्राइवेट स्कूल किसी बच्चे को ऑनलाइन कक्षा से निकाल नहीं सकते हैं, उन्हें पढ़ने अथवा परीक्षा में बैठने से रोक नहीं सकते हैं। अगर किसी स्कूल ने शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में अतिरिक्त शुल्क लिया है अथवा इस सत्र में फीस बढ़ाई है, तो उसे विद्यार्थी की फीस में अडजस्ट करना पड़ेगा अथवा लौटना पड़ सकता है। शिक्षा के लिए काम करने वाली एनजीओ फोरम फॉर फेयर इन एजुकेशन के अध्यक्ष जयंत जैन ने कहा कि हाई कोर्ट ने जीआर पर से रोक हटा दिया है। अब सरकार के ऊपर निर्भर करता है कि वह प्राइवेट स्कूलों को लेकर क्या निर्णय लेती है। उन्होंने कहा, 'सचाई यह है कि बड़ी संख्या में लोगों को कोरोना वायरस के चलते नौकरी और व्यवसाय में दिक्कतें आई हैं। सरकार ने जीआर में फीस नहीं बढ़ाने को लेकर आदेश जारी किया था, लेकिन इस जीआर में यह नहीं था कि जिन सुविधाओं का स्कूलों में विद्यार्थी लाभ नहीं ले रहे है, उनके फीस की कटौती की जाएगी।' उन्होंने कहा कि उनकी एनजीओ हाई कोर्ट के जजमेंट की कॉपी मिलने पर आगे का निर्णय लेगी।

दुनिया देखेगी 'करंज' का दम, 10 मार्च को नौसेना के बेड़े में होगी शामिल

मुंबई। गहरे सागर में सभी परीक्षण में पास होकर मुंबई में बनी तीसरी पनडुब्बी 'करंज' नौसेना के बेड़े में शामिल होने के लिए तैयार है। 10 मार्च को नेवल डॉकयार्ड में एक कार्यक्रम के दौरान करंज को नौसेना में शामिल किया जाएगा। नौसेना में प्रॉजेक्ट 75 के तहत मझगांव डॉक में स्कॉर्पिन क्लास की छह पनडुब्बियों का निर्माण किया गया है। इस सीरीज की दो पनडुब्बी आईएनएस कलवरी और आईएनएस खडेरी पहले ही नौसेना के बेड़े में शामिल हो चुकी हैं। करंज अगले सप्ताह से भारतीय सागरीय सीमा की सुरक्षा के लिए तैनात होगी। चौथी पनडुब्बी वेला का परीक्षण जारी है। 2022 तक सभी छह सबमरीन को नौसेना में शामिल करने का लक्ष्य है। चीन और पाकिस्तान के साथ जारी विवाद के बीच करंज के ड्यूटी पर तैनात होने से भारत का दबदबा और बढ़ेगा। सागरीय सीमा की चौकसी से निगरानी के लिए करंज को अत्याधुनिक तकनीक से लैस किया गया है। करंज में टॉरपीडो और ऐंटिशिप मिसाइल से लैस किया गया है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का केंद्र पर प्रहार

इस दौरान सिंह ने कहा कि बढ़ते वित्तीय संकट को छिपाने के लिए भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा किए गए अस्थायी उपाय के चलते आसन्न ऋण संकट से छोटे और मंझोले (उद्योग) क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं और इस स्थिति की हम अनदेखी नहीं कर सकते हैं। उन्होंने प्रतीक्षा 2030 में कहा कि बेरोजगारी चरम पर है और अनौपचारिक क्षेत्र खस्ताहाल है। यह संकट 2016 में बगैर सोच-विचार के लिए गए नोटबंदी के फैसले के चलते पैदा हुआ है। सम्मेलन का आयोजन एक दृष्टि पत्र पेश करने के लिए किया गया, जो केरल में विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के विकास पर विचारों का एक प्रारूप है। पूर्व प्रधानमंत्री ने राज्य विधानसभा चुनाव के लिए घोषणापत्र में 'न्याय' जैसे विचार को शामिल करने को लेकर केरल की कांग्रेस नीत यूडीएफ के फैसले की सराहना की। उन्होंने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र में यह योजना पेश की गई थी, जिसका उद्देश्य गरीबों को प्रत्यक्ष नकद अंतरण (सीधे उनके बैंक खाते में पैसे) उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि कहीं अधिक चिकित्सा संस्थानों के जरिए निशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं जैसे उपाय सामाजिक क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत करेंगे, जिससे समावेशी विकास का मार्ग प्रशस्त होगा और इसमें वंचित तबकों की जरूरतों पर ध्यान दिया जा सकेगा। सिंह ने कहा, यह कांग्रेस की विचारधारा का सार तत्व है और यह खुशी की बात है कि यूडीएफ के सभी दलों के इस पर समान विचार हैं। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि गरीबों की मदद करने के लिए इस तरह की योजनाएं अर्थव्यवस्था को भी एक झटके में चालू कर देंगी क्योंकि इनसे मांग पैदा होगी, जिससे अधिक उत्पादन होगा, खासतौर पर छोटे एवं सूक्ष्म उद्योग क्षेत्र में, कृषि क्षेत्र में और असंगठित क्षेत्र में इसके परिणामस्वरूप रोजगार के अधिक अवसर सृजित होंगे और राष्ट्रीय स्तर पर लंबी आर्थिक सुस्ती के बाद अर्थव्यवस्था तेजी से पटरी पर लौटने लगेगी। उन्होंने कहा, निराशा की भावना के बीच, मैं योजनाबद्ध विकास के प्रति यूडीएफ के सही दिशा में आगे बढ़ने और आम आदमी के लिए इसे उम्मीद की किरण के रूप में स्पष्ट रूप से देख रहा हूं। उन्होंने आगे कहा, मैंने 1991 में वित्त मंत्री के तौर पर राष्ट्रीय बजट पेश करते हुए विक्टर हुगो को उद्धृत करते हुए कहा था कि 'एक विचार से ज्यादा ताकतवर कोई चीज नहीं है' मुझे यह अभास हो रहा है कि यूडीएफ ने जो आगे की स्पष्ट राह दिखाई है, वह केरल को सही दिशा में ले जाएगी।

किसान आंदोलन पर घिरे अजय देवगन

वह उनसे किसानों के समर्थन में ट्वीट करने की मांग कर रहा था। अजय के बॉडीगार्ड प्रदीप इंद्रसेन गौतम ने 28 साल के राजदीप के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई। जिसके बाद दिंडोशी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी युवक पंजाब का रहने वाला है।

मुंबई: दादर, ठाणे समेत स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकट हुए महंगे

अधिकारी ने बताया कि नई दर 24 फरवरी से लागू हो गई है और यह इस साल 15 जून तक प्रभावी रहेगी। उन्होंने कहा, गर्मियों में यात्रा के दौरान भीड़-भाड़ से बचने के लिए यह कदम उठाने का फैसला किया गया है। फरवरी के दूसरे सप्ताह से मुंबई में कोविड-19 के रोजाना के मामलों में बढ़ोतरी हो रही है। शहर में कोविड-19 के अब तक 3.25 लाख से अधिक मामले आए हैं और संक्रमण से 11,400 से अधिक लोगों की मौत हुई है।

दैनिक मुंबई हलचल अब हर सच होगा उजागर 5

5जी की तैयारी

स्पेक्ट्रम नीलामी में रिलायंस जियो रही सबसे बड़ी खरीदार

जियो ने स्पेक्ट्रम के लिए 57,122.65 करोड़ रुपये की बोली लगाई

- वोडाफोन-आइडिया ने 1,993.40 करोड़ रुपये के स्पेक्ट्रम खरीदे
- एयरटेल ने 18,699 करोड़ रुपये की रेडियोतरंगों का अधिग्रहण किया
- दो दिनों में 77,814.80 करोड़ रुपये मूल्य के रेडियो तरंगों की खरीद

संवाददाता

नई दिल्ली। दूरसंचार स्पेक्ट्रम की दो दिन चली नीलामी मंगलवार को संपन्न हो गई। इस दौरान रिलायंस जियो सबसे बड़ी खरीदार रही। दूरसंचार सचिव ने इस संबंध में बताया कि रिलायंस जियो ने स्पेक्ट्रम के लिए 57,122.65 करोड़ रुपये की बोली लगाई। सचिव ने बताया कि दो दिनों में 77,814.80 करोड़ रुपये मूल्य के रेडियो तरंगों की खरीद की गई। दूरसंचार सचिव ने बताया कि सोमवार को 2,250 मेगाहट्र्ज स्पेक्ट्रम की नीलामी शुरू हुई थी। इसका आरक्षित मूल्य करीब चार लाख करोड़ रुपये था। नीलामी के दौरान 800 मेगाहट्र्ज, 900 मेगाहट्र्ज, 1800 मेगाहट्र्ज, 2100 मेगाहट्र्ज और 2300 मेगाहट्र्ज बैंड में बोलियां आईं। लेकिन 700 और 2500 मेगाहट्र्ज में कोई बोली नहीं मिली। सचिव ने बताया कि वोडाफोन-आइडिया ने इस नीलामी में 1,993.40 करोड़ रुपये मूल्य के स्पेक्ट्रम खरीदे। कंपनी ने कहा कि उसने नीलामी में पांच सर्किलों में जो स्पेक्ट्रम खरीदा है उससे 4जी कवरेज और क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। कंपनी ने कहा कि इससे वह अपने ग्राहकों को 'शानदार डिजिटल अनुभव' उपलब्ध करा पाएगी। भारती एयरटेल ने बताया कि उसने 18,699 करोड़ रुपये की रेडियोतरंगों का अधिग्रहण किया है। कंपनी ने कहा कि इससे उसे भविष्य में 5जी सेवाएं देने में सफलता मिलेगी। कंपनी ने कहा कि अब उसे देशभर में गीगाहट्र्ज उपक्षेत्र में स्पेक्ट्रम मिल गया है, जिससे कंपनी अब शहरों में घरों के अंदर और भवनों में भी अच्छी कवरेज दे सकेगी।

नए स्पेक्ट्रम में क्यों निवेश नहीं करना चाहते ऑपरेटर: कुल स्पेक्ट्रम में से 700 मेगाहट्र्ज बैंड के स्पेक्ट्रम का हिस्सा एक-तिहाई था। 2016 की नीलामी में यह स्पेक्ट्रम बिल्कुल नहीं बिका था। विश्लेषकों ने कहा कि गीगाहट्र्ज बैंड से नीचे अन्य स्पेक्ट्रम कम कीमत पर उपलब्ध है। ऐसे में ज्यादातर ऑपरेटर नए स्पेक्ट्रम में निवेश नहीं करना चाहते, क्योंकि उन्हें उपकरणों पर अतिरिक्त खर्च करना होगा।

जियो ने शुरू की 5जी लॉन्च की तैयारी: दो दिन चली दूरसंचार विभाग की स्पेक्ट्रम नीलामी में रिलायंस जियो ने सभी 22 सर्किलों में स्पेक्ट्रम खरीदा है। इस खरीद के बाद रिलायंस जियो के पास कुल 1717 मेगा हट्र्ज (अपलिंक+डाउनलिंक) हो जाएगा जो पहले के मुकाबले 55 फीसदी अधिक है। स्पेक्ट्रम की इस बड़ी खरीद से रिलायंस जियो को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। रिलायंस जियो ने जो स्पेक्ट्रम खरीदा है उसका इस्तेमाल 5जी सर्विस देने के लिए भी किया जा सकता है। रिलायंस जियो ने हाल ही में घोषणा की थी कि उसने स्वदेशी 5जी तकनीक विकसित कर ली है, जिसे अमेरिका में टेस्ट कर लिया गया है। रिलायंस के मालिक मुकेश अंबानी ने भी इसी साल 5जी सेवा की शुरूआत करने की घोषणा की है।

संयोग या धांधली: व्यापमं की परीक्षा में सभी 10 टॉपर्स एक ही कॉलेज के छात्र, सबके नंबर भी बराबर!

भोपाल। मध्य प्रदेश में व्यावसायिक शिक्षा मंडल (व्यापमं) द्वारा ली गई एक और परीक्षा संदेह के घेरे में आ गई है। कृषि विकास अधिकारी के पद पर नियुक्ति के लिए हुई परीक्षा में शीर्ष 10 स्थान काबिज करने वाले उम्मीदवारों ने एक ही कॉलेज से बीएससी की, इन्हें परीक्षा में एक जैसे मार्क्स मिले और गलतियां भी एक जैसी की। इतना ही नहीं, सभी 10 चंबल क्षेत्र के हैं और इनमें से 9 एक ही जाति के भी हैं। व्यापमं के अधिकारी इसे महज संयोग बता रहे हैं, लेकिन परीक्षा में शामिल होने वाले कई उम्मीदवार इसमें घोटाले का आरोप लगा रहे हैं। व्यापमं ने 10-11 फरवरी को यह परीक्षा आयोजित की थी। 17 फरवरी को आंसर शीट के साथ सफल उम्मीदवारों की संभावित लिस्ट भी जारी की गई। ताज्जुब यह है कि जनरल नॉलेज की परीक्षा में सभी 10 छात्रों को एक जैसे अंक मिले। परीक्षा में शामिल होने वाले अन्य छात्र घोटाले का आरोप इसलिए भी लगा रहे हैं कि टॉपर्स की शैक्षिक पृष्ठभूमि अच्छी नहीं रही है। जानकारी के मुताबिक टॉपर्स में शामिल एक उम्मीदवार को मैथ्स में पूरे मार्क्स मिले हैं जबकि बीएससी में वह सांख्यिकी में 4 बार फेल हुआ था और 8 साल में उसकी डिग्री पूरी हुई थी। सभी 10 टॉपर्स ने राजकीय कृषि कॉलेज, ग्वालियर से बीएससी की है। आश्चर्य यह है कि कृषि विकास अधिकारी के लिए हुई परीक्षा में इन सभी ने जिन सवालों के गलत उत्तर दिए हैं, वे भी एक जैसे हैं। उन्हें जितने मार्क्स मिले हैं, वह इस परीक्षा के लिए एक रेकॉर्ड है।

ब्लैकलिस्टेड कंपनी को परीक्षा की जिम्मेदारी: व्यापमं ने इस परीक्षा की जिम्मेदारी एनएसईआईटी को दी थी, जो पहले से आरोपों में रही है। वर्ष 2017 में यूपी में सब इंस्पेक्टर परीक्षा में गड़बड़ियों के चलते एनएसईआईटी को ब्लैकलिस्ट किया गया था। हालांकि, एनएसईआईटी के अधिकारियों ने परीक्षा में किसी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया है।

व्यापमं बता रहा संयोग: व्यापमं के शीर्ष अधिकारी भी किसी घोटाले को सिरे से नकार रहे हैं। उनका कहना है कि ये महज एक संयोग है और अब तक किसी गड़बड़ी की जानकारी नहीं मिली है। अधिकारियों ने बताया कि कुछ भी संदेहास्पद मिलने पर मामले की तत्काल जांच कराई जाएगी।

आ गया लोकल ट्रेनों का 'ब्लैक बॉक्स', अब एयर ट्रैफिक कंट्रोल की तर्ज पर लोकल में भी होगा संवाद

मुंबई। जिस तरह से हवाई जहाज को तालमेल बिठाने के लिए एयरपोर्ट पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) होता है, अब इसी तर्ज पर लोकल ट्रेनों में भी मोबाइल ट्रेन रेडियो कम्युनिकेशन (एमटीआरसी) शुरू हो रहा है। पश्चिम रेलवे पर सोमवार से इस सिस्टम की शुरूआत हो रही है। जब सिग्नल खराब हों या बारिश में ट्रेन कभी रुक जाए, तो यात्रियों को कंट्रोल रूम से सीधे सूचित किया जा सकेगा। फिलहाल, सूचनाओं के अभाव में कई बार इन परिस्थितियों में यात्री ट्रेन से उतरकर ट्रैक पर चलने लगते हैं।

मिलेगा रियल टाइम अपडेट

लोकल ट्रेनों में यात्रा के दौरान मोटरमैन या गार्ड द्वारा मोबाइल पर बात करना प्रतिबंधित है। इसलिए एमटीआरसी सिस्टम को अमल में लाया गया है। इस सिस्टम से रियल टाइम अपडेट मिलना संभव होगा, पहले आपातकालीन परिस्थितियों में गार्ड द्वारा कम्युनिकेट करने में समस्या होती थी।

ब्लैक बॉक्स की तरह करेगा काम

एमटीआरसी में कैमरा, माइक्रो फोन और डिजिटल विडियो रिकॉर्डिंग की सुविधा है। इससे ट्रेन यात्रा के दौरान मोटरमैन केबिन से होने वाला पूरा घटनाक्रम रिकॉर्ड हो जाता है। ये सूचना 90 दिनों तक स्टोर रह सकती है। दुर्घटना जैसी स्थिति में एमटीआरसी में दर्ज सूचना जांच के लिए उपयोगी साबित होंगी।

मॉनसून में रहेगा महत्वपूर्ण

बारिश के सीजन में हमने देखा है कई बार लोकल ट्रेनें थम जाती हैं। ट्रैक पर पानी भरने से ट्रेनें रुक जाती हैं। इन स्थितियों में हजारों यात्रियों को वास्तविक स्थिति का पता नहीं चलता है। रेलवे ने कई बार इन स्थितियों में नेशनल डिजास्टर रेस्पॉन्स कंट्रोल (एनडीआरएफ) की मदद ली है। ऐसी परिस्थितियों में एमटीआरसी काम का साबित होगा।

एमटीआरसी क्यों है खास

इस सिस्टम में कैमरा लगा होता है, जो रात के अंधेरे में या दिन के उजाले में भी विजुअल्स कैप्चर करता है। इसके अलावा 30 मीटर की रेंज तक ऑडियो भी कैप्चर किया जा सकेगा। केबिन के अंदर 0.4 मेगा पिक्सल और बाहर 2 मेगा पिक्सल की इमेज कैप्चर हो सकेगी। इसके अलावा सॉफ्टवेयर में जूम करने की फसिलिटी भी होती है।

'श्री नारी सम्मान 2021' का शानदार म्यूजिक वीडियो लांच

मुंबई। आर्यन एम फिल्म प्रोडक्शन्स के डायरेक्टर वी के मिश्रा, पूजा एस डहले (रतन नंदिनी इंडस्ट्रीज) और देवन शशि आचार्य (देवा अन्ना) एन सी पी मुंबई वायस प्रेसिडेंट फिल्म, लिट्रेचर, आर्ट एंड कल्चर डिपार्टमेंट वुमेन्स डे के अवसर पर 16 मार्च को कर्मवीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, अंधेरी में 'श्री नारी सम्मान 2021' का आयोजन करने जा रहे हैं। मुम्बई में इसकी प्रेस कॉन्फ्रेंस और म्यूजिक वीडियो लॉन्चिंग का कार्यक्रम रखा गया जहां वी के मिश्रा आर्यन, पूजा एस डहले (रतन नंदिनी इंडस्ट्रीज की डायरेक्टर), देवन शशि आचार्य (देवा अन्ना) एन सी पी मुंबई वायस प्रेसिडेंट फिल्म, लिट्रेचर, आर्ट एंड कल्चर डिपार्टमेंट, एग्नेस आर हैमिल्टन (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी असंगठित कामगार विभाग व कोरियोग्राफर, डायरेक्टर रिदम डांस एंटरटेनमेंट), अमन सिंह, सियाराम आर मिश्रा, लता हया, बी एन तिवारी और नंदिनी गुप्ता के साथ एंकर सिमरन आहूजा मौजूद थीं। ऑर्गनाइजर वी के मिश्रा आर्यन ने बताया कि यह नारी सम्मान का दूसरा सीजन है। पहला अवॉर्ड शो देहरादून में मशहूर अभिनेत्री श्रीदेवी की पुण्यतिथि पर किया गया था। इस अवार्ड के सहयोगी सियाराम आर मिश्रा, अमन सिंह हैं। वी के मिश्रा आर्यन ने बताया कि देशहित और समाज हित में किसी भी क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को इस नारी सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। यहां वृद्धाश्रम, अनाथाश्रम और शहीदों की परिवार के लिए भी विशेष सम्मान रखा जाएगा। इस नारी सम्मान की चीफ गेस्ट राष्ट्रपति पुरुस्कार से सम्मानित संगीता शिंदे अलफोंसो (एसीपी ठाणे ग्रामीण) और पद्मश्री से सम्मानित सोमा घोष होंगी। यहां वी आई पी मेहमानों के रुप में ज्योत्स्ना विलास रसम (एसीपी डी एन नगर डिवीजन), सुनील बोंडे (एसीपी ओशिवारा डिवीजन), अल्पना ताई पेंटर (एनसीपी मुम्बई वायस प्रेसिडेंट), राजुल पटेल (महिला विभाग संगठक उत्तर पश्चिम कॉर्पोरेटर 61) और रश्मि देवन आचार्या (लिरिक्स राइटर और लेखिका) को आमंत्रित किया गया है। श्री नारी सम्मान 2021 का आयोजन आर्यन एम फिल्म प्रोडक्शन्स, रत्न नंदिनी इंडस्ट्रीज, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (असंगठित कामगार विभाग) एवं रिदम डांस एनटरटेन्मेंट द्वारा किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के ऑर्गनाइजर वी के मिश्रा आर्यन, पूजा एस. डहले (डायरेक्टर रतन नंदिनी इंडस्ट्रीज), देवन शशि आचार्य (देवा अन्ना), एन सी पी मुंबई वायस प्रेसिडेंट, फिल्म, लिट्रेचर, आर्ट एंड कल्चर डिपार्टमेंट और एग्नेस आर हैमिल्टन, एनसीपी असंगठित कामगार विभाग तथा कोरियोग्राफर, डायरेक्टर रिदम डांस एंटरटेनमेंट) हैं। इस कार्यक्रम के आयोजन में सियाराम आर मिश्रा, बी एन तिवारी, ओम प्रकाश सिंह ठाकुर, अभिजीत राणे (महासचिव धड़क कामगार यूनियन), साधु तिवारी, गजेमणि त्रिपाठी, अमित सिंह बाहुबली का विशेष सहयोग है। यहां आशा विजय बोरहड़े, बिग बॉस फेम जसलीन मथारू, कवयित्री लता हया, जोया खान, हेलेन फोंसेका (चाइल्ड वेलफेयर कमेटी मुंबई सिटी महाराष्ट्र सरकार), शीलू भटनागर, समीक्षा डहले और निहार डहले सहित कई लोगों को सम्मानित किया जाएगा। श्री नारी सम्मान के म्युजिक वीडियो के संगीतकार दिलीप सेन, गीतकार लता हया और सिंगर हरप्रीत कौर हैं। 'मैं औरत हूँ, मैं औरत हूँ' नाम के इस वीडियो सांग को लांच किया गया जिसे सभी ने खूब पसंद किया।

चूककर्ताओं के यहां बिजली आपूर्ति बंद करने का अभियान फिलहाल रोका जाएगा: अजित पवार

मुंबई। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने मंगलवार को कहा कि बकाया राशि का भुगतान करने में विफल रहे किसानों और अन्य घरेलू उपभोक्ताओं तक बिजली आपूर्ति बंद कर देने का अभियान राज्य विधान सभा में इस मुद्दे पर चर्चा होने तक के लिये तत्काल प्रभाव से रोक जाएगा। विपक्ष के देवेंद्र फडणवीस ने सदन में यह मुद्दा उठाया था जिसके बाद पवार ने यह घोषणा की। फडणवीस ने कहा कि बिजली के बढ़े हुए बिलों को लेकर राज्यभर के लोगों में बहुत गुस्सा है। उन्होंने कहा कि लाखों लोगों को बिजली आपूर्ति बंद करने संबंधी नोटिस मिले हैं। उन्होंने कहा, लॉकडाउन और भारी बारिश के कारण किसानों को पहले ही काफी घाटा उठाना पड़ा है। अब उनके सामने बिजली आपूर्ति बंद होने का संकट है। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने बिजली आपूर्ति बंद करने संबंधी अभियान को रोकने की बात कही। इसके बाद पवार ने कहा, मैं राज्य सरकार की ओर से कहना चाहता हूं कि किसानों और अन्य घरेलू उपभोक्ताओं के यहां बिजली आपूर्ति बंद करने संबंधी अभियान तत्काल प्रभाव से रोका जाएगा, तब तक के लिए जब तक कि देवेंद्र फडणवीस साहेब द्वारा उठाए गए मुद्दे पर चर्चा नहीं हो जाती।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बुलडाणा हलचल

कोविड टीकाकरण 60 वर्ष से अधिक आयु के पात्र लाभार्थियों को लाभ उठाइये: जिल्हाधिकारी एस. रामामूर्ती

संवाददाता/असफाक युसुफ

बुलडाणा। कोरोना वायरस को स्थायी रूप से मात देने के लिए टीकाकरण महत्वपूर्ण है। 1 मार्च से दुसरा टीकाकरण शुरू किया गया है। यह 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को टीकाकरण दी जाएगी। इस पैनल के पात्र लाभार्थियों को कोविड को नियंत्रित करने के लिए टीका लगाया जाना चाहिए, जिला कलेक्टर एस राममूर्ति ने अपील की। जिला योजना समिति हॉल में आज, 1 मार्च, 2021 को कोविड टीकाकरण के बारे में सूचित करने के लिए एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया गया था। कलेक्टर उस समय बोल रहे थे। इस अवसर पर अपर कलेक्टर दिनेश गीते, जिला सर्जन डॉ. नितिन तडस, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बालकृष्ण कांबळे, महात्मा फुले जनारोग्य अभियान के जिला समन्वयक डॉ. सावके उपस्थित थे।टीकाकरण के लिए पंजीकरण कोविन आरोग्य सेतु ऐप पर शुरू किया गया है। इसी तरह वेबसाइट https://selfregistration.cowin.gov.in पर पंजीकरण किया जा सकता है। हालांकि, सभी पात्र लाभार्थियों को इस ऐप, वेबसाइट पर पंजीकरण करना चाहिए। इसी तरह, टीकाकरण केंद्र में पंजीकरण जारी रहेगा। पंजीकृत लाभार्थियों को एक पाठ संदेश भेजा जाएगा। यह संदेश टीकाकरण सत्र के स्थल, तिथि और समय को सूचित करेगा। जिले के 13 सरकारी अस्पतालों में टीकाकरण की व्यवस्था की गई है, जिसमें प्रत्येक तालुका में एक भी शामिल है। इस स्थान पर टीकाकरण मुफ्त होगा। अमृत बुलदना, कोलते अस्पताल मलकापुर और कोठारी अस्पताल चिखली चार निजी अस्पतालों में दो खुराक के लिए 500 रुपये का शुल्क लेगा। भविष्य में और अस्पताल जोड़े जाएंगे। एक डोज की कीमत 250 रुपये होगी। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर टीकाकरण भी किया जाएगा। एक टीकाकरण केंद्र में 100 लोगों का दैनिक लक्ष्य होगा। इसी तरह, 45 से 60 वर्ष के बीच की पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों को भी टीका लगाया जाएगा। जिले में वर्तमान में कोविद रोगियों के लिए 3615 बेड उपलब्ध हैं। महिला अस्पताल परिसर में 20 किलोलीटर ऑक्सीजन का एक तरल ऑक्सीजन टैंक उपलब्ध कराया गया है। इस स्थान पर ऑक्सीजन का उत्पादन भी किया जाएगा। वर्तमान में सिस्टम में जंबो, टेरा सिलेंडर उपलब्ध है। इसलिए मरीजों की ऑक्सीजन की मांग पूरी की जा रही है। यदि यह पाया जाता है कि निजी अस्पतालों में टीकाकरण किया जा रहा है, तो सरकार द्वारा निर्धारित दर से अधिक लेने की दर से संबंधित अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। नागरिकों को प्रति खुराक 250 रुपये का भुगतान करना चाहिए, कलेक्टर से अपील की।

अमरावती हलचल

लॉकडाउन से गरीब जनता पर आई भुखमरी की नौबत

अमरावती। इस करोना महामारी से जुझ रही आम जनता बेहद परेशान है पिछले लॉकडान से अभी पुरी तरह उभर भी ना पाये थे कि फिर से लॉकडाउन कि मार जनता पर पढ रही है, रोजगार नहीं है उपर से महेगाई की मार, गरीब किसान दुकानदार रोज कमाना रोज खाना ऐसे हालात से कैसे लढे, करोना से तो इंसान लढ रहा है भुख मरी से कैसे लढे, सोशल डिस्टेंसिंग ठीक है हाथ धोना मास्क लगाना भी ठीक है, लेकिन कोई बाताये मास्क मुहं पर लगाये कोरोना भगाये पेट को क्या बांधे जिस्से सब कि भुक मिट जाये सरकार को हम आम जनता के हित मे सोचना चाहिये।

समस्तीपुर हलचल

मियां टोली, चमरटोली, नुनिया टोली वाली माल सुपरहिट लागे रे गाना को प्रतिबंधित कर गायक, टीम एवं कंपनी पर एफआईआर दर्ज हो: बंदना सिंह

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। मियां टोली, चमरटोली, नुनिया टोली वाली माल सुपरहिट लागे रे गाना जो यूट्यूब से लेकर विभिन्न सोशल साइट्स पर वायरल हो रहा है, अश्लीलता की पराकाष्ठा है। इस पर प्रशासन एवं सरकार अविलंब रोक लगाकर गायक, कंपनी आदि पर एफआईआर दर्ज करें। ये बातें प्रेस रिलीज के माध्यम से सोमवार को महिला संगठन ऐपवा के जिलाध्यक्ष बंदना सिंह ने कहा। श्रीमति सिंह ने कहा कि वायरल गीत में गायक द्वारा स्पष्ट रूप से मियां टोली, चमरटोली, नुनिया टोली वाली माल सुपरहिट लागे रे गाया गया है। इस गाना में जाति, समुदाय के साथ धर्म विशेष के महिलाओं को अपमानित किया जा रहा है। यूँ कहा जाए कि इसमें साजिश के तहत दलित एवं अक्लियत समाज को टारगेट किया गया है। यह समाज में जहर घोलने का काम कर रहा है। अतः इस गाने को सरकार एवं प्रशासन अविलंब बैन लगाकर गायक अजीत बिहारी समेत उनकी टीम एवं कंपनी पर एफआईआर दर्ज करें ताकि भविष्य में ऐसी अश्लील एवं भड़काऊ गाना लिखने, गाने से पहले सौ बार सोचना पड़े। ऐपवा जिलाध्यक्ष सह भाकपा माले नेत्री बंदना सिंह ने इस मामले में छात्र, नौजवान, महिला, किसान, मजदूर, व्यवसाई, बुद्धिजीवी समेत राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं को आगे आकर गाना को प्रतिबंधित कराने को जारी अभियान में सोशल साइट्स पर सक्रिय होने की अपील भी की है।

गौहर सहारा हमराह मेहनाज के साथ बंधे शादी के बंधन में

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिले के मशहुर व जाने माने व पटना हाई कोर्ट के सीनियर अधिवक्ता अंजारुल हक सहारा के साहेबजादे गौहर सहारा की शादी शाहपुर बघौनी बाशिंदा मो0 अनवर आलम उर्फ आले बाबू की साहेबजादी मेहनाज प्रवीण के साथ हुआ। इस तरह गौहर और मेहनाज एक दूसरे के हो गए। रविवार को ताजपुर रोड स्थित सेंट्रल पब्लिक स्कूल में दावते वलीमा का आयोजन किया गया। दावते वलीमा में शहर के समस्तीपुर शहर के अलावा कटिहार, दरभंगा आदि जगहों से गन मान्य लोग पहुंच कर नये जोड़े को बेहतर जिंदगी गुजारने के लिए दुआएं दी। नये जोड़े को मुबारकबाद देने वालों में कटिहार मेडिकल कालेज के संस्थापक असफाक करीम, विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन, मोरवा के विधायक रण विजय साहू, अली अशरफ फातमी, इकबाल शमी, जोहरा हक, कामरान हक, ई0 नजरुल इस्लाम, भाजपा के सीनियर लीडर राम सुमरण सिंह, बनारसी ठाकुर, सैयद ओबैदूर रहमान, शहनवाज आलम, जेहानत अली, कलीम अशरफ, आदिल खां, रिजवानुल हक गुड्डू, शौकत अली, एसएम जमील, एम नईमुद्दीन आजाद, जकी अहमद, मो0 सरफराज, बिस्मी आरीफी, आदिल सोहराब, मो0 अशरफ, मो0 इम्तेयाज, अताउल हक, अब्दुर रहमान वगैरह का नाम काबिले जिक्र है।

डेस्टिनेशन ग्रुप इंटरनॅशनल आयकॉनीक पुरस्कार नवी दिल्ली 2021 और राष्ट्रीय आदर्श पत्रकार पुरस्कार मिलने पर दी बधाई

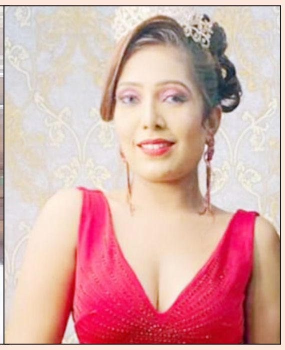

पुणे। डेस्टिनेशन ग्रुप इंटरनॅशनल आयकॉनीक पुरस्कार नवी दिल्ली 2021 और राष्ट्रीय आदर्श पत्रकार पुरस्कार सुनिल ज्ञानदेव भोसले जी उपाध्यक्ष. अखिल भारतीय मराठी फिल्म निर्माता निगम महाराष्ट्र राज्य, संपादक एकता न्यूज 24, पत्रकार मराठवाड़ा केसरी, पत्रकार हंदू सम्राट हैं। डेस्टिनेशन ग्रुप इंटरनॅशनल आयकॉनीक पुरस्कार नवी दिल्ली 2021 और राष्ट्रीय आदर्श पत्रकार पुरस्कार मिलने पर युवा नेता ऋषीराज अशोक पवार, श्रीमान.रंजन झांबरे अध्यक्ष युवक राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शिरूर, श्रीमान. कलीम सय्यद वरिष्ठ उपाध्यक्ष राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस पार्टी शिरूर, श्रीमान संजय चव्हाण जी उद्योगपती, योगेश भैय्या चव्हाण जी उद्योगपती, राहील सय्यद उपाध्यक्ष.पुणे जिल्हा विद्यार्थी राष्ट्रवादी कॉंग्रेस पार्टी, श्रीमान. अभिमन्यू हरगुडे जी युवा नेता, श्रीमान.राज उद्दीन सय्यद, श्रीमान. प्रशांत प्रकाश पवार जी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी सोशल मीडिया निलेश लंके प्रतिष्ठान इन्होने बधाई दी है। पत्रकारिता के माध्यम से, सुनील ज्ञानदेव भोसले ने गरीबों और पीड़ितों को न्याय दिलाने का काम किया। राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार समारोह 22 मार्च को राइजिंग स्टेट लिटरेचर, आर्ट्स एंड ह्यूमन अपलिफ्टमेंट कमेटी, जिला ग्वालियर मध्य प्रदेश में आयोजित किया जाएगा। डेस्टिनेशन ग्रुप इंटरनॅशनल आयकॉनीक पुरस्कार नवी दिल्ली 2021 और राष्ट्रीय आदर्श पत्रकार पुरस्कार 7 मार्च को नई दिल्ली मे दिया जायेगा। युवा नेता ऋषीराज अशोक पवार, श्रीमान.रंजन झांबरे अध्यक्ष. युवक राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शिरूर, श्रीमान. कलीम सय्यद वरिष्ठ उपाध्यक्ष. राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस पार्टी शिरूर, श्रीमान संजय चव्हाण जी उद्योगपती, श्रीमान.योगेश भैय्या चव्हाण जी उद्योगपती, राहील सय्यद उपाध्यक्ष.पुणे जिल्हा विद्यार्थी राष्ट्रवादी कॉंग्रेस पार्टी, श्रीमान.अभिमन्यू हरगुडे जी युवा नेता, श्रीमान. राज उद्दीन सय्यद, श्रीमान. प्रशांत प्रकाश पवार जी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी सोशल मीडिया निलेश लंके प्रतिष्ठान इन्होने सुनील ज्ञानदेव भोसले को नेशनल लेवल आइडियल जर्नलिस्ट की घोषणा पर बधाई दी। भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

रामपुर हलचल

धीरे धीरे मौसम बदल रहा अपना मिजाज, सर्द हवाओं के चलते लोगों में पनप रही है बीमारी

टाण्डा (रामपुर)। मौसम ने धीरे धीरे अपना मिजाज बदलना शुरू कर दिया है सुबह शाम सर्द हवाओं के चलते लोगों में बीमारी का पनपना शुरू हो गया है जैसे, नजला, जुकाम, खांसी, बुखार जैसी बीमारियों का मामला जोरों पर है दोपहर के समय में तेज धूप होने के कारण गरम कपड़ों का प्रयोग करना लोगों ने बन्द कर दिया है जिसके चलते उनके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता असर दिखाई दे रहा है बाजार के अन्दर इस समय गन्ने का रस, आइस्क्रीम जैसी ठंडी चीजों का सेवन किया जाने लगा है उससे भी बीमारियां पनपती नजर आ रही हैं। जैसे जैसे गर्मी का मौसम करीब आता जा रहा है वैसे ही दिन ब दिन मच्छरों ने भी अपने पैर पसारना शुरू कर दिये हैं। मच्छरों के काटें जाने पर मनुष्यों में मलेरिया, टायफाइड अन्य गम्भीर बीमारियां उत्पन्न होने का मण्डराता नजर आ रहा है समय रहते विभागीय स्तर पर मच्छरों पर नियंत्रण किया जा सकता है एवं गम्भीर तरह की होने वाली बीमारियों पर ब्रेक लगाया जा सकता हैं।

रसोई गैस की लगातार बढ़ी हुई कीमतों को लेकर उपभोक्ताओं में दिन ब दिन गैस के प्रति बढ़ता जा रहा आक्रोश

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। रसोई गैस की लगातार बढ़ी हुई कीमतों को लेकर उपभोक्ताओं में दिन ब दिन गैस के प्रति शेष बढ़ता चला जा रहा है वहीं पेट्रोल व डीजल की कीमतों को लेकर क्रषकों एवं वाहन स्वामी काफी चिन्तित होते नजर आ रहे हैं उनके कारोबार पर भी बुरा असर पड़ रहा हैं महंगाई की मार को देखते हुए आम आदमी की पहुंच से बाहर गैस, पेट्रोल एवं डीजल की बढ़ी हुई कीमतों को लेकर उपभोक्ताओं की कमर टूट चुकी है बढ़ी हुई कीमतें आसमान छूती दिखाई दे रही हैं गैस आदि कीमत हाई फाई रेट पहुंचने पर उपभोक्ताओं सहित क्रषकों एवं वाहन स्वामियों में हा हा कार मचा हुआ है।

खून के अशुद्ध और गाढ़ा होने की समस्या को इन नुस्खो से करें दूर

इस भागदौड़ भरी जिंदगी में किसी के पास अपने लिए समय ही नहीं है। जिससे गलत डाइट और एक्सरसाइज न करने का सीधा असर सेहत पर दिखाई देता है। समय पर खाना न खाना या व्यायाम न करने पर बीमार पड़ता तो जाहिर सी बात है लेकिन गलत-खान पान के कारण आप रक्त विकारों का शिकार भी हो सकते है। खून शरीर के अंगो में ऑक्सीजन सप्लाई करके आपको स्वस्थ रखता है। ऐसे में खून में गड़बड़ी रक्त के थक्के जमना या खून के गाढ़ा होने से आप कोलेस्ट्रॉल और दिल के रोग जैसी बीमारियों की चपेट में भी आ सकते है। कुछ लोग तो इस समस्या को दूर करने के लिए दवाइयों तक का सेवन करते है लेकिन कुछ कारगार घरेलू तरीके से भी इन रक्त विकारों को दूर किया जा सकता है। आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताएंगे, जिससे आप रक्त विकारों को बिना किसी नुकसान के दूर कर सकते है।

रक्त विकार के कारण

आयरन की कमी
अनुवांशिक
कमजोर लीवर
हार्मोन बदलाव
गलत आहार
डायबिटीज
तनाव
पानी की कमी

रक्त विकार के लक्षण

लगातार बीमार रहना
भूख ना लगना
वजन कम होना
त्वचा रोग
दृष्टि कमजोर हो जाना
बाल झाड़ना
प्रतिरोधक क्षमता कम होना

रक्त विकार के घरेलू उपचार

1. आंवला
विटामिन सी के गुणों से भरपूर आंवला का सेवन शरीर से विषैले पदार्थों को बाहर निकालता है और नए रक्त बनाता है।

2. नींबू
दिन में 3 बार गर्म पानी में नींबू मिलाकर सेवन करें। इससे आपके सभी प्रकार के रक्त विकार दूर हो जाएंगे।

3. मुनक्का
25 ग्राम मुनक्के को रातभर भिगो दें। सुबह इसे पीसकर 1 कप पानी में मिलाकर रोजाना पीएं। इससे आपकी यह समस्या दूर हो जाएगी।

4. एलोवेरा
25 ग्राम एलोवेरा का ताजा रस में 12 ग्राम शहद और आधे नींबू का रस मिलाकर सुबह शाम पीने से रक्त विकार दूर होते है।

5. करेला
दिन में 2 बार ताजे केरेले का जूस का सेवन भी सभी प्रकार के रक्त विकारों को दूर करता है।

6. प्याज
1/4 कप प्याज के रस में नींबू शहद मिलाकर लगातार 10 दिन तक सेवन करें। यह रक्त विकारों को दूर करके खून साफ करने में मदद करता है।

7. नीम
नीम के पत्ते, निम्बोली छाल और जड़ को उबाल कर दिन में 1 बार पीएं। इससे रक्त विकार के साथ आपकी कई समस्याएं दूर हो जाएगी।

डैंड्रफ हो जाएगा जड़ से खत्म, अपनाएं यह घरेलू नुस्खा

खूबसूरत, घने और लंबे बाल तो हर लड़की पाना चाहती है। मगर आजकल बालों में होने वाली परेशानियों के कारण बाल झड़ने और डैंड्रफ जैसी समस्याएं हो जाती है। लड़के और लड़कियां दोनों डैंड्रफ की समस्या को दूर करने के लिए महंगे प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करते है लेकिन किसी से भी यह समस्या दूर नहीं होती। ऐसे में आज हम आपको डैंड्रफ की समस्या को दूर करने के लिए एक ऐसा उपाय बताने जा रहें है, जिससे बिना किसी नुकसान के यह समस्या दूर हो जाएगी। तो आइए जानते है डैंड्रफ को जड़ से खत्म करने का आसान घरेलू तरीका।

इसलिए होती है डैंड्रफ की परेशानी

स्कैल्प में डैड सेल्स जमा होने के बाद वो ड्राय हो जाती है, जिससे सिर में फंग्स और इंफेक्शन हो जाती है। इसके कारण आपके बालों में डैंड्रफ की समस्या हो जाती है। ऐसे में आपको अपनी डाइट में जिंक, ओमेगा-3 फैटी एसिड और विटामिन्स वाली चीजें शामिल करनी चाहिए।

डैंड्रफ को दूर करने का घरेलू तरीका

एक कटोरी में नींबू का रस निकाले लें। इसके बाद इसमें गर्म पानी और सी सॉल्ट मिक्स करें। इस मिक्चर को स्कैलप पर लगाकर मसाज करें और 30 मिनट के लिए छोड़ दें। इसे बाद बालों को शैम्पू सेधोकर कंडीशनर कर लें। हफ्ते भर इसका इस्तेमाल करने से आपके डैंड्रफ की समस्या दूर हो जाएगी। इसके अलावा आपको यह समस्या दोबारा नहीं होगी।

एंटी एजिंग प्रॉडक्ट्स लेने से पहले जरूर जानें यह बातें

लड़कियों की उम्र जैसे-जैसे बढ़ती जाती है उन्हें वैसे ही अपनी ब्यूटी की चिंता भी परेशान करने लगती है। उम्र के हिसाब से चेहरे पर पड़ने वाली झुरियो को छुपाने के लिए वह कई तरह के ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करती है और इन्हें खरीदने के लिए विज्ञापनों में किए झूठे वादों पर विश्वास कर लेती है। जिसके बाद में उन्हें फायदा होने की बजाए नुकसान झेलना पड़ता है, इसलिए एंटी एजिंग प्रॉडक्ट्स खरीदने से पहले उसके इंग्रेडियंट को ध्यान से जरूर पढ़ लेना चाहिए ताकि कौन-सा इंग्रेडियंट आपके लिए फायदेमंद है और कौन-सा नहीं। जिसे इस्तेमाल करके आपके चेहरे पर किसी तरह का साइड-फैक्ट न हो।

1. मॉश्चराइजिंग ऑयल
अगर आप एंटी एजिंग प्रॉडक्ट्स खरीदने जा रहे हैं तो सबसे पहले यह देख लें कि उसमें मॉश्चराइजिंग ऑयल है भी कि नहीं। अगर नहीं तो यह फेस पर ग्लो लाने के लिए बिल्कुल भी कारगर नहीं है। चेहरे को मॉश्चराइजिंग करने के लिए जोजोबा ऑयल, कोकोनट ऑयल, अलमंड ऑयल आदि प्रमुख स्त्रोत माने जाते हैं। जिसे इस्तेमाल करके उम्र से ज्यादा जवान दिखा जा सकता है।

2. पैराफिन्स से रहें दूर
एंटी एजिंग प्रोडक्ट्स खरीदने से पहले यह बात जरूर जान लें कि इसमें पैराफिन्स का इस्तेमाल तो नहीं किया गया। पैराफिन्स युक्त क्रीम लगाने पर चेहरे पर उसी समय चमक तो जरूर आ जाती लेकिन बाद में इसका नुकसान भी होता है। इसके इस्तेमाल से त्वचा के रोम छिद्र बंद हो जाते हैं। जिसके कारण स्किन पर उम्र का असर और ज्यादा दिखने लगता है।

3. रेटिनॉयड्स का रखें ख्याल
इस बात पर ध्यान जरूर दें कि आप जो एंटीएजिंग क्रीम इस्तेमाल कर रही है, वह रेटिनॉयड्स युक्त है भी कि नहीं। इसे विटामिन ए का एक रूप माना जाता है। यह कई तरह की स्किन प्रॉब्लम को ठीक रखता है। इसके इस्तेमाल से फेस पर कील, मुंहासे की समस्या नहीं होती साथ ही में इसे लगाने से चेहरे का ब्लड सकुर्लेशन ठीक रहता है। जिसके कारण स्किन चमकदार, कसी हुई और खूबसूरत दिखती है।

4. किरेटिन
किरेटिन युक्त क्रीम लगाने से चेहरे की डेड स्किन सेल्स हट कर नई और स्वस्थ त्वचा का निर्माण होता है। जिससे आप जवान दिखने लगते है।

5. अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड
अगर आपके चेहरे पर झुरियां और झाइयां हो रही है तो आप अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड युक्त क्रीम इस पर अप्लाई करें। यह चेहरे की डेड स्किन को हटाकर नई स्किन में बदल कर चेहरे पर चमक लाने में काफी मददगार है।

6. कॉपर पेप्टाइड्स
जब आपकी स्किन ढीली पड़ने लगे तो ऐसे एंटी-एजिंग प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करें, जिसमें कॉपर पेप्टाइड्स हो। यह ढीली त्वचा को टाइट करने में काफी मददगार है। इसलिए इसके इस्तेमाल से त्वचा की झुर्रियां से छुटकारा पाया जा सकता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अभिनेत्री कनक यादव को 'सरस सलिल भोजपुरी सिने अवार्ड' जैसे प्रतिष्ठित पुरुस्कार से किया गया सम्मानित

भोजपुरी की स्टार अभिनेत्री कनक यादव को 'सरस सलिल भोजपुरी सिने अवार्ड' जैसे प्रतिष्ठित पुरुस्कार से सम्मानित किया गया है। कनक यादव को उनकी फिल्म दामाद हो तो ऐसा (2020) में उनकी कमाल की अदाकारी के लिए बेस्ट राइजिंग एक्ट्रेस का अवार्ड मिला, वहीं 2019 के लिए उन्हें बेस्ट ऐक्ट्रेस ऑफ द ईयर के सम्मान से नवाजा गया। इस तरह कनक यादव के लिए यह डबल सेलेब्रेशन का मौका है। आपको बता दें कि दिल्ली प्रेस की पत्रिका 'सरस सलिल' द्वारा इस साल उत्तर प्रदेश के अयोध्या में दूसरे 'सरस सलिल भोजपुरी सिने अवार्ड' का आयोजन 28 फरवरी, 2021 को किया गया था। इस अवार्ड शो में भोजपुरी के जानेमाने हस्ती दिनेश लाल यादव निरहुआ, प्रदीप पांडे चिंटू, विनय बिहारी सांसद ने न केवल अपनी उपस्थिति दर्ज कराई बल्कि रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां भी दीं। कनक यादव ने दोनों हाथों में दो ट्रॉफियां लेकर अपनी खुशी जाहिर की और कहा कि मैं सरस सलिल भोजपुरी सिने अवार्ड' का बहुत दिल से शुक्रिया अदा करती हूं कि उन्होंने मुझे दो अवाड्र्स से नवाजा। 2020 के लिए जहां मुझे फिल्म दामाद हो तो ऐसा के लिए बेस्ट राइजिंग ऐक्ट्रेस का इनाम मिला वहीं 2019 के लिए मुझे बेस्ट ऐक्ट्रेस ऑफ द ईयर के सम्मान से नवाजा गया। मैं अपने सभी फैंस और दर्शकों को दिल से धन्यवाद कहती हूं। आपको बता दें कि मशहूर सीरियल कसिके रोके रुका है सवेरा में मुख्य सशक्त किरदार निभाने वाली कनक यादव ने अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीत लिया है। वह अपने हर किरदार को इतनी शिद्दत से जीती हैं कि एक यादगार कैरेक्टर बन जाता है। कनक यादव ने अपने कैरियर में काफी चुनौतीपूर्ण किरदार निभाए हैं। छोटे पर्दे पर कनक की शुरूआत दूरदर्शन के 'नैंसी' धारावाहिक से हुई। इसमें कनक ने रजा मुराद की बेटी सौंदर्या का किरदार निभाया था। इस सीरियल के द्वारा वह टीवी की स्टार अभिनेत्री बन गयी। इसके बाद उन्होंने जय जय जय बजरंगबली, बालिका वधू, गौतम बुद्धा, पुनर्विवाह, दिल आशना है जैसे कई धारावाहिको और शार्ट फिल्मो में काम किया। उन्होंने भोजपुरी फिल्म 'रब्बा इश्क ना होवे' से बतौर अभिनेत्री शुरूआत की। इस फिल्म में कनक के काम को सबने खूब सराहा। इसके बाद तो दामाद हो तो ऐसा, छलिया, प्यार तो होना ही था, जन्मदाता, लव के चकर में जैसी कई भोजपुरी फिल्मों में दमदार किरदार निभाकर उन्होंने अपनी एक अलग पहचान कायम की ।एक महीने के अंदर उन्हें तीन अवार्ड मिल चुके हैं पहला 24 जनवरी 2021 को सेवंथ दार्शनिक प्रेस मीडिया अवार्ड में बेस्ट आइकन एक्ट्रेस अवॉर्ड मिला। दूसरा 4 फरवरी 2021 में उन्होंने सुरक्षा हेल्थ एंड एजुकेशन एनजीओ व सेवा खबर की तरफ से बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड मिला और अब यह अवार्ड जीतकर उनके हौसले बुलंद हैं।

अभिनेत्री कनक यादव को बेस्ट राइजिंग एक्ट्रेस का दिया गया अवार्ड

विदेशों में छा गई हैं चोपड़ा

परिणीति चोपड़ा की फिल्म 'द गर्ल ऑन द ट्रेन' हाल में रिलीज हुई है और इसे काफी तारीफ मिल रही है। शुक्रवार 26 फरवरी को रिलीज होने के बाद यह फिल्म सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रही है और लोग परिणीति की ऐक्टिंग की काफी तारीफ कर रहे हैं। तारीफ करने वालों में अब प्रियंका चोपड़ा भी शामिल हो गई हैं और उन्होंने भी इसके लिए ट्वीट किया है। दरअसल यूएस में नेटफ्लिक्स पर प्रियंका चोपड़ा और परिणीति चोपड़ा दोनों की हालिया रिलीज फिल्में टॉप ट्रेंड में हैं। प्रियंका चोपड़ा की फिल्म 'वी कैन बी हीरोज' इस समय छठे जबकि परिणीति चोपड़ा की फिल्म 'द गर्ल ऑन द ट्रेन' सातवें नंबर पर ट्रेंड कर रही है। परिणीति ने अपने एक फैन के ट्वीट को रिट्वीट करते हुए प्रियंका चोपड़ा को इसमें टैग किया है।